Title: Need to provide financial assistance to State Government of Uttar Pradesh to check pollution caused by effluents of Ghosi Sugar Mill and Aswani plant-II in Mau District of Uttar Pradesh.

श्री बालकृण चौहान (घोसी) : माननीय अध्यक्ष महोद्य, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र घोसी जनपद मऊ, उत्तर प्रदेश के घोसी स्थित चीनी मिल तथा आस्वनी प्लांट द्वारा निकलने वाले कचरे से हो रहे वायु एवं जल प्रदूाण की ओर दिलाना चाहता हूं। उपरोक्त मिलों का कचरा लगभग दस किलोमीटर लम्बे नाले में बहाया जाता है, जिसका रुख टौंस नदी की ओर है। यह कचरा गाढ़ा घोल के रूप में होने के कारण पूरे नाले में जमा रहता है, जिससे आस पास के गांवों के लाखों निवासी अनेक तरह की बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। उक्त नाले का प्रदूाित घोल पशुओं द्वारा पी लिये जाने से उनकी मृत्यु हो रही है तथा आस पास के तालाबों की मछलियां भी मर रही हैं। प्रदूाित घोल से पैदा होने वाले तरह-तरह के कीड़े ग्रामीणों के घरों में पहुंच कर वीभत्स वाताावरण पैदा कर रहे हैं।

उपरोक्त समस्याओं को लेकर पांच वर्ा पहले हजारों ग्रामीणों ने आन्दोलन प्रदर्शन करके अपना रोा प्रकट किया था और प्रदूाित जल निकास हेतु पाइप लाइन की व्यवस्था अथवा फिल्टर प्लांट की मांग की थी, जिसके फलस्वरूप उपरोक्त प्लांट स्थापित किया गया था, लेकिन कुछ ही दिनों में फिल्टर प्लांट बन्द कर दिया गया, जिससे प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीण त्रस्त हैं।

अतः केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि राट्रीय स्तर पर ऐसी योजना बनाई जाये, जिसके तहत राज्यों में प्रदूाण से प्रभावित क्षेत्रों में समस्या के समाधान हेतु धनराशि दिये जाने की व्यवस्था हो। साथ ही यह भी अनुरोध है कि घोसी चीनी एवं आस्वनी मिल के कचरे से उत्पन्न प्रदूाण को दूर करने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सरकार को आवश्यक धन उपलब्ध कराया जाये।